संख्या-381/2021/1990/41-2021-08(जि0यो0)/2019

प्रेषक,

संजीव कुमार श्रीवास्तव,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ।

**पर्यटन अनुभाग** **लखनऊ, दिनांक 04 अगस्त, 2021**

**विषयः- जिला योजना के अन्तर्गत जनपद मुजफ्फरनगर, शामली, गाजियाबाद एवं मेरठ में पर्यटन विकास कार्यों के सम्बन्ध में जी0एस0टी0 की धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-1293/7-1-1/(जि0यो0)/जी0एस0टी0/2019-20, दिनांक 13 जुलाई, 2021 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- **जिला योजना के अन्तर्गत जनपद मुजफ्फरनगर, शामली, गाजियाबाद एवं मेरठ में पर्यटन विकास कार्यों** हेतु चयनित कार्यदायी संस्था कान्स्ट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विस (सी0 एण्ड डी0एस0) द्वारा गठित आगणन के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2019-20 में शासनादेश सं0-76/2020/2448/41-2019-08(जि0यो0)/2019, दिनांक 26.02.2020 द्वारा प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नानुसार अवमुक्त की गयी है :-

(धनराशि रूपये लाख में)

| क्र0 | कार्य का नाम | प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति |
|---|---|---|
| 1 | जनपद मुजफ्फरनगर स्थित ग्राम-बरवल, ब्लाक-बघरा में माता वाला मंदिर का स्थानीय पर्यटन विकास कार्य के सम्बन्ध में। | 26.45 + जी0एस0टी0 |
| 2 | जनपद मुजफ्फरनगर स्थित ग्राम-कुरालसी ब्लाक-बुढाना स्थित सिद्धपीठ शाकुम्बरी माता मंदिर का पर्यटन विकास कार्य के सम्बन्ध में। | 8.95 + जी0एस0टी0 |
| 3 | जनपद शामली में थाना भवन स्थित बूढ़ेबाबू का तालाब के स्थानीय पर्यटन विकास | 8.19 + जी0एस0टी0 |
| 4 | जनपद गाजियाबाद स्थित महामाया देवी/सिकरी माता मंदिर (मोदीनगर) के स्थानीय पर्यटन विकास कार्य। | 9.07 + जी0एस0टी0 |
| 5 | जनपद गाजियाबाद स्थित डासना (मसूरी) में देवी मंदिर के स्थानीय पर्यटन विकास कार्य। | 18.08 + जी0एस0टी0 |
| 6 | क्षेत्रीय पर्यटक कार्यालय मेरठ का साज-सज्जा एवं सौन्दर्यीकरण कार्य। | 17.61 + जी0एस0टी0 |

3. प्रकरण में महानिदेशक, पर्यटन के सन्दर्भगत पत्र दिनांक 13 जुलाई, 2021 द्वारा अवमुक्त की गयी उक्त धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र आदि अभिलेख उपलब्ध कराते हुए जी0एस0टी0 की धनराशि रू0 9,42,701**.00 (रूपये नौ लाख बयालीस हजार सात सौ एक मात्र)** को प्रदान किये जानेका अनुरोध किया गया है।

4. उक्त के दृष्टिगत मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला योजना की सन्दर्भगत योजनाओं की निम्न तालिका के स्तम्भ-3 में अंकित विवरण के अनुसार जी0एस0टी0 की कुल

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

धनराशि रू0 9,42,701.**00 (रूपये नौ लाख बयालीस हजार सात सौ एक मात्र)** को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(धनराशि रूपये में)

| क्र0 | कार्य का नाम | जी0एस0टी0 की धनराशि |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | जनपद मुजफ्फरनगर स्थित ग्राम-बरवल, ब्लाक-बघरा में माता वाला मंदिर का स्थानीय पर्यटन विकास कार्य के सम्बन्ध में। | 2,77,080.00 |
| 2 | जनपद मुजफ्फरनगर स्थित ग्राम-कुरालसी ब्लाक-बुढाना स्थित सिद्धपीठ शाकुम्बरी माता मंदिर का पर्यटन विकास कार्य के सम्बन्ध में। | **97,554**.00 |
| 3 | जनपद शामली में थाना भवन स्थित बूढ़ेबाबू का तालाब के स्थानीय पर्यटन विकास | **85,677**.00 |
| 4 | जनपद गाजियाबाद स्थित महामाया देवी/सिकरी माता मंदिर (मोदीनगर) के स्थानीय पर्यटन विकास कार्य। | **95,033**.00 |
| 5 | जनपद गाजियाबाद स्थित डासना (मसूरी) में देवी मंदिर के स्थानीय पर्यटन विकास कार्य। | **1,89,232**.00 |
| 6 | क्षेत्रीय पर्यटक कार्यालय मेरठ का साज-सज्जा एवं सौन्दर्यीकरण कार्य। | **1,98,125**.00 |
| **कुल योग** | | 9,42,701.**00** |

(1) प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि प्रश्नगत परियोजना हेतु पर्यटन अनुभाग, उ0प्र0 शासन के शासनादेश दिनांक 26.02.2020 में अंकित शर्तों व प्रतिबन्धों अनुपालन पूर्णतया करा लिया गया है।

(2) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2019/बी-1-149/दस-2020-231/2019, दिनांक 24 मार्च, 2020,शासनादेश सं0-4/2020/बी-1-192/दस-2020-231/2020 दिनांक 7-4-2020, शासनादेश सं0-5/2020/बी-1-196/दस-2020-231/2020 दिनांक 11-4-2020 एवं शासनादेश सं0-6/2020/बी-1-218/दस-2020-231/2020 दिनांक 18-5-2020 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात् स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा। उक्त कार्यों को अनुमोदित लागत की सीमान्तर्गत ही कराया जायेगा तथा कार्यदायी संस्था को अनुमोदित लागत के अतिरिक्त कोई अन्य धनराशि/चार्जेज नहीं दिया जायेगा।

(3) प्रायोजना के निर्माण कार्य में वस्तु एवं सेवाकर (जी0एस0टी0) की धनराशि कार्यदायी संस्था को वास्तविक भुगतान के अनुसार नियमानुसार अनुमन्य होगी तथा इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था द्वारा जी0एस0टी0 भुगतान के सम्बन्ध में प्रामाणिक प्रपत्र सक्षम स्तर से महानिदेशक पर्यटन के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त के अतिरिक्त लेबरसेस के रूप में प्रदान की गयी धनराशि श्रम विभाग को भुगतान किये जाने का प्रमाण पत्र कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ उपलब्ध कराया जायेगा ।

(4) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्यों की गुणवत्ता उच्चकोटि की हो तथा समय-समय पर कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण (मानीटरिंग) महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जाय। स्वीकृत धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा वित्त विभाग के संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 24 मार्च 2020 के प्रस्तर-2(9)(ड) में दी गयी व्यवस्थानुसार प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा दो-दो माह की आवश्यकता के लिए आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी तथा कार्यदायी संस्था द्वारा प्राप्त धनराशि का 80 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त अगले दो माह के लिए पुन: आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित कर दी जायेगी। इसका अनुपालन महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

(6) प्रश्नगत परियोजना में होने वाले निर्माण कार्य के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि निर्माण कार्य आगणन के अनुरूप उसके तकनीकी अनुमोदन के अनुसार किया किया गया है तथा परियोजना को कार्यदायी संस्था से हस्तगत कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करा लिया जायेगा एवं निर्मित परिसम्पत्ति का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जायेगा एवं इसकी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट ई-परियोजनाओं की समीक्षा के पोर्टल पर अंकित कराते हुए शासन को अवगत कराया जायेगा।

(7) परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017 दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों तथा बजट मैनुअल के प्रस्तर-212 (**VII**) में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(8) परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी।

(9) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पड़े। कार्यदायी संस्था से कार्य की समाप्ति के पश्चात सम्प्रेक्षित लेखे अनिवार्य रूप से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(10) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे अनिवार्य रूप से राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय। यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इसका अनुपालन पर्यटन निदेशालय एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(11) प्रायोजना की जी0एस0टी0 सम्बन्धी वेरीफिकेशन/मिलान हेतु स्टेट जी0एस0टी0 कामर्शियल टैक्स डिपार्टमेन्ट से सहायता लेने के उपरान्त ही प्रायोजना में जी0एस0टी0 की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति कार्यदायी संस्था को निर्गत की जाया।

(12) प्रायोजना की जी0एस0टी0 की स्वीकृति कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना/विवरण के आधार पर प्रदान की जा रही है। यदि परियोजना के मानक के सम्बन्ध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय एवं क्षेत्रीय पर्यटन

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

अधिकारियों का होगा। प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वास्तविक रूप से व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र/कार्य की गुणवत्ता एवं फोटोग्राफ्स आदि सक्षम स्तर से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(13) महानिदेशक पर्यटन द्वारा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्यदायी संस्था से संप्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त किये जायेंगे।

5. प्रस्तर-4 में अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-44 के अन्तर्गत लेखा शीर्ष 5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्य-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-09-पर्यटन स्थलों का विकास (जिला योजना)-24-वृहत् निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।

6. प्रस्तर-4 में अवमुक्त की जा रही धनराशि की स्वीकृति वित्त (आय-व्ययक), उ0प्र0 शासन के शासनादेश संख्या-3/2021/बी-1-375/दस-2021-231/2021, दिनांक 22 मार्च, 2021 के द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

**<u>संख्या व दिनांक तदैव::</u>**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- सम्बन्धित जिलाधिकारी ।
4- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- संयुक्त निदेशक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
6- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
7- निदेशक, सी0 एण्ड डी0एस0, उ0प्र0 जल निगम, लखनऊ।
8- परियोजना प्रबन्धक, सी0 एण्ड डी0एस0, उ0प्र0 जल निगम, गाजियाबाद।
9- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7
10- क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी, मेरठ/सहारनपुर मंडल।
11- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।